भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा भाविप्रा हवाई अड्डों के प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं पर कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2025: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा भाविप्रा हवाई अड्डों के प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन नई दिल्ली में दिनांक:14 से 15 फरवरी 2025 तक किया गया। इस कार्यशाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता श्री रामोहन नायडू किंजरापु, माननीय केंद्रीय नागर विमानन मंत्री द्वारा की गई जिसमें माननीय केंद्रीय नागर विमानन एवं सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल की गरिमामय उपस्थिति भी रही । इस अवसर पर श्री वी. वुअलनाम, सचिव, नागर विमानन मंत्रालय; श्री विपिन कुमार, अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण; और नागर विमानन मंत्रालय, भाविप्रा, डीजीसीए, बीसीएएस के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य प्रतिष्ठित हितधारक व उद्योग साझेदार भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस कार्यशाला का उद्देश्य विमानन क्षेत्र की प्रमुख प्रवृत्तियों और विकास पर चर्चा करना, मुद्दों और चुनौतियों को उजागर करना के साथ-साथ इस क्षेत्र के हितधारकों के लिए संभावित अवसरों की पहचान करना है । इस कार्यशाला में नए व भविष्य में आने वाले हवाई अड्डों तथा मौजूदा हवाई अड्डों पर तैनात की जा रही नई तकनीकों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इस कार्यशाला में मुख्य प्रवृत्तियों का पता लगाने, चुनौतियों का समाधान करने और नए अवसर प्रदान करने के लिए दूरदर्शी, नीति निर्माताओं, हवाई अड्डे के हितधारकों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ किया है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में माननीय नागर विमानन मंत्री श्री रामोहन नायडू किंजरापु ने कहा, "यह कार्यशाला एक मजबूत विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो एक गतिशील और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। नागर विमानन केवल गंतव्यों को जोड़ने तक ही सीमित नहीं है बल्कि ये देश भर के लाखों लोगों की आकांक्षाओं और सपनों को जोड़ने का भी कार्य करती है।"

अपने संबोधन में श्री मुरलीधर मोहोल, माननीय केंद्रीय नागर विमानन एवं सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा, " भारत सरकार के महत्वाकांक्षी विजन ' विकसित भारत @2047' को प्राप्त करने में भाविप्रा एक आधारशिला बना हुआ है, जो आने वाले वर्षों में भारत के विमानन परिदृश्य की दिशा तय करने का कार्य करेगा।"

भाविप्रा ने वर्ष 2023-24 में 15,980 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार किया है जो भाविप्रा के इतिहास में सबसे अधिक है, जिसमें 6,214 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) भी शामिल है। भारतीय विमानन बाजार दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है और इस विकास को बनाए रखने के लिए, भाविप्रा ने वित्त वर्ष 2025 से वित्त वर्ष 2029 तक 25,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय को निर्धारित किया है। भाविप्रा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 5,500 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है, जिसमें से 4,000 करोड़ रुपये पहले ही खर्च किए जा चुके हैं।

भाविप्रा की उपलब्धियों को उजागर करते हुए श्री विपिन कुमार, अध्यक्ष, भाविप्रा ने कहा, "भाविप्रा देश में हवाई अड्डों के तेजी से विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका उद्देश्य भारत के नागर विमानन क्षेत्र को वैश्विक मानकों तक बढ़ाना है।"

भाविप्रा नए हवाई अड्डों के तेजी से विकास और मौजूदा सुविधाओं के पुनर्निर्माण/पुनर्प्रयोजन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे प्रचालन दक्षता में सुधार हो रहा है और कनेक्टिविटी बढ़ रही है जो भारतीय विमानन को विश्व स्तरीय मानकों तक पहुंचाती है।

निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी
विवरण के लिए महाप्रबंधक (नि.सं.) से कृपया संपर्क करें: 011-20818228

प्रेस विज्ञप्ति संख्या: 29/2024-2025

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Welcomes